

भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 810

जिसका उत्तर बृहस्पतिवार, 30 अप्रैल, 2015 को दिया जाना है

हिन्दुस्तान केबल्स लिमिटेड को बंद किया जाना

810. श्री राज बब्बर:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने हिन्दुस्तान केबल्स लिमिटेड (एचसीएल), हैदराबाद को बंद करने का निर्णय लिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और बंद किए जाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य उपक्रमों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) एचसीएल के बंद होने के बाद कितने कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे;
- (ग) क्या पहले रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय इस्पात निगम ने एचसीएल को अपने अधिकार में लेने की स्वीकृति प्रदान की थी; और
- (घ) यदि हां, तो रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय इस्पात निगम द्वारा एचसीएल को अपने अधिकार में लेने के प्रयास की असफलता के क्या कारण हैं?

उत्तर

**भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्धेश्वर)**

(क): जी, हां। सरकार ने हिन्दुस्तान केबल्स लिमिटेड को बंद करने का निर्णय लिया है। आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति ने दिनांक 29.12.2014 को हुई अपनी बैठक में, हिन्दुस्तान केबल्स लिमिटेड और सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ अन्य उपक्रमों नामतः एचएमटी (बेयरिंग्स) लिमिटेड, एचएमटी (वाचिज) लिमिटेड, एचएमटी (चिनार वाचिज) लिमिटेड और तुंगभद्रा स्टील प्रॉडक्ट्स लिमिटेड को बंद करने के लिए अपना 'सैद्धान्तिक' अनुमोदन दे दिया है।

(ख): दिनांक 31.03.2015 की स्थिति के अनुसार एचसीएल में कर्मचारियों की कुल संख्या 1543 है।

(ग): रक्षा मंत्रालय ने फरवरी, 2013 में आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) द्वारा एचसीएल को अपने अधिकार में लेने के लिए अपना 'सैद्धान्तिक' अनुमोदन दिया था। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड ने एचसीएल को अपने अधिकार में लेने की स्वीकृति प्रदान नहीं की थी।

(घ): इस संबंध में, रक्षा मंत्रालय के साथ 11.03.2015 को एक बैठक हुई थी जिसमें यह निर्णय लिया गया था कि रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत आयुध निर्माणी बोर्ड एचसीएल को अपने अधिकार में नहीं ले सकता है। तथापि, रक्षा मंत्रालय अपने नियंत्रणाधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के किसी अन्य उद्यम द्वारा एचसीएल को अपने अधिकार में लेने की संभावना की जांच कर रहा है। इस संबंध में निर्णय प्रतीक्षित है। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के संबंध में स्थिति ऊपर पैरा (ग) में निर्दिष्ट है।
